

UPSC (IAS) Prelims 2025

Current Affairs

CRASH

COURSE

#IAS

18 Months

ABHAY SIR



Events in News



Topic 1- कृषि खाद्य प्रणालियों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए पहल

Topic 2- जीरो FIR (प्रथम सूचना रिपोर्ट/First Information Report)

Topic 3- Bangladesh recalls there diplomats from West Bengal and Tripura

Topic 4 - रूस का चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट

Topic 5 - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (KNP)

Topic 6 - इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व

कृषि खाद्य प्रणालियों को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए पहल

कृषि
कॉप16 रियाद: भारत सहित 32 देशों
में कृषि खाद्य प्रणालियों को पर्यावरण
अनुकूल बनाने के लिए शुरू हुई नई
पहल

इसका उद्देश्य खेतों से लेकर खाने के टेबल तक वैश्विक कृषि
खाद्य प्रणालियों में व्यापक बदलाव करना है, ताकि उन्हें
पर्यावरण और जलवायु अनुकूल बनाया जा सके





- बढ़ती खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने के उद्देश्य से कृषि खाद्य प्रणालियों को जलवायु तथा पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की गई है।
- **किसने की शुरुआत** :- संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) और अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) द्वारा।

उद्देश्य :-

- 1. वैश्विक कृषि खाद्य प्रणालियों के अंतर्गत खेतों से लेकर खाने के टेबल तक बदलाव करना
- 2. खाद्य पदार्थों को सतत, पर्यावरण अनुकूल, समावेशी और प्रदूषण मुक्त बनाया जा सके
- 3. खाद्य पदार्थों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के भी काबिल बनाया जा सके।





- इस पहल को वित्तपोषित ग्लोबल एनवायरमेंट फेसिलिटी द्वारा किया जा रहा है।
- यह पहल 32 देशों में सतत तथा जलवायु अनुकूल कृषि पर ध्यान केंद्रित करेगी।
- यह पहल साथ साथ ही मवेशियों को समर्थन भी प्रदान करेगी।
- कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज के 16वें सत्र (कॉप-16) का आयोजन सऊदी अरब के रियाद शहर में हुआ। जिसका उद्देश्य मरुस्थलीकरण से निपटना है।
- यह सम्मेलन संयुक्त राष्ट्र के संगठन (यूएनसीसीडी) की अगुवाई में किया जा रहा है।



- मरुस्थलीकरण से निपटन के लिए जमीन, जलवायु और जैव विविधता की रक्षा के लिए ग्लोबल एनवायरनमेंट फेसिलिटी द्वारा 28.2 करोड़ डॉलर की मदद की जाएगी।
- इस पहल के द्वारा 32 देशों की मदद की जानी है जो इस प्रकार है :- भारत अंगोला, अर्जेंटीना, बेनिन, भूटान, बुर्किना फासो, चाड, चिली, चीन, कोस्टा रिका, इक्वाडोर, इस्वातिनी, मलेशिया, मैक्सिको, नामीबिया, नाउरू, नाइजीरिया, पाकिस्तान, इथियोपिया, घाना, ग्रेनेडा, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, केन्या, पेरू, फिलीपींस, सोलोमन द्वीप, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, तंजानिया, तुर्किये और युगांडा शामिल हैं।





प्रश्न. भारत में निम्नलिखित में से किन्हें कृषि में सार्वजनिक निवेश माना जा सकता है? (2020)

- 1. सभी फसलों के कृषि उत्पाद के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करना
- 2. प्राथमिक कृषि खाद्य समितियों का कम्प्यूटरीकरण
- 3. सामाजिक पूंजी विकास
- 4. कृषकों को निःशुल्क बिजली की आपूर्ति
- 5. बैंकिंग प्रणाली द्वारा कृषि ऋण की माफी
- 6. सरकारों द्वारा शीतानगर सुविधाओं को स्थापित करना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिये:

- A. केवल 1, 2 और 5
- B. केवल 1, 3, और 4 और 5
- C. केवल 2, 3 और 6
- D. 1, 2, 3, 4, 5 और 6



जीरो FIR (प्रथम सूचना रिपोर्ट/First Information Report)





- **चर्चा में क्यों :-** हाल ही में तेलंगाना के एक पूर्व मंत्री द्वारा वहां के मुख्यमंत्री के ऊपर की गई टिप्पणी के कारण जीरो एफआईआर दर्ज की गई है
- भारत के किसी भी कानून में FIR शब्द को परिभाषित नहीं किया गया। फिर भी जिसे हम FIR के रूप में जानते हैं वह पुलिस विनियमों / नियमों में दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) की धारा 154 के तहत दर्ज की गई जानकारी होती है। इस जानकारी को ही FIR कहा जाता है
- इसी प्रकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 में कहीं भी जीरो FIR शब्द का उल्लेख नहीं किया गया है, परंतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 173 में ही इसे दर्ज करने से संबंधित प्रावधान किए गए हैं।





क्या होती है जीरो FIR :-

- यह सामान्य FIR का ही एक प्रकार है।
- सामान्य FIR :- जिस थाने के अंतर्गत अपराध घटित होता है उस थाने में ही की गई रिपोर्ट सामान्य FIR कहलाती है।
- जब की जीरो FIR को किसी भी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक नहीं है कि जहां अपराध हुआ है, उसी एरिया के पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज कराई जाए।
- जब एक बार जीरो एफआईआर दर्ज कर दी जाती है तो उसके बाद इस FIR को संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है।





- जब किसी थाने में जीरो एफआईआर की जाती है तो आरंभ में उसे कोई नंबर नहीं दिया जाता और जब यह संबंधित थाने में पहुंच जाती है तो वहां फिर से एक रिपोर्ट की जाती है और तब एक नंबर प्रदान किया जाता है जिसे एफआईआर नंबर कहा जाता है
- भारत में जीरो FIR की अवधारणा जस्टिस वर्मा समिति (2012) की सिफारिशों पर आधारित है इस समिति का गठन निर्भया केस के बाद किया गया था।





प्रश्न. भारत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

- 1. न्यायिक हिरासत का अर्थ है कि एक अभियुक्त संबंधित मजिस्ट्रेट की हिरासत में है और ऐसे अभियुक्त को पुलिस स्टेशन के हवालात में रखा जाता है, न कि जेल में।
- 2. न्यायिक हिरासत के दौरान मामले के प्रभारी पुलिस अधिकारी, न्यायालय की अनुमति के बिना संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ नहीं कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- A. केवल 1
- B. केवल 2
- C. 1 और 2 दोनों
- D. न तो 1 और न ही 2



Bangladesh recalls there diplomats from West Bengal and Tripura





- बांग्लादेश की वर्तमान यूनुस सरकार ने अपने 2 डिप्लोमैट्स को वापस बुला लिया है
- इन्हे कोलकाता और त्रिपुरा से वापस बुलाया गया है ।

कारण :-

- 1. अगस्तला में बांग्लादेशी हाई कमीशन में तोड़-फोड़ ।
- 2. कोलकाता में भी डिप्टी हाई कमीशन के बाहर विरोध प्रदर्शन।
- इन्हीं घटनाओं को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 3 दिसंबर को डिप्लोमैट्स को वापस बुलाने का फैसला किया था। हालांकि, इसकी जानकारी अब सामने आई है।





- कोलकाता में एक्टिंग डिप्टी हाई कमिश्नर मोहम्मद अशरफुर रहमान थे।
- जबकि त्रिपुरा के असिस्टेंट हाई कमिश्नर आरिफ मोहम्मद थे।
- भारत और बांग्लादेश 4096.7 किमी. लंबी सीमा साझा करते हैं।
- यह भारत द्वारा अपने किसी भी पड़ोसी देश के साथ साझा की जाने वाली सबसे लंबी भूमि सीमा है।
- असम, पश्चिम बंगाल, मिज़ोरम, मेघालय और त्रिपुरा की सीमा बांग्लादेश से लगती है।





भारत-बांग्लादेश के बीच संबंध

- दोनों देशों के मध्य संबंधों की नींव वर्ष 1971 रखी गई।
- जब बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उभर के आया।
- वर्तमान में भारत और बांग्लादेश ने व्यापार, ऊर्जा, आधारभूत अवसंरचना, कनेक्टिविटी तथा रक्षा क्षेत्र में सहयोग की दिशा में मिलकर प्रगति की है।





आर्थिक सहयोग:

- दोनों देशों के मध्य संबंध स्थापित करने के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हुई है।
- बांग्लादेश दक्षिण एशिया में भारत के सबसे बड़े व्यापार भागीदार के रूप में उभरा है।
- दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2020-21 में 10.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2021-2022 में 18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया।
- भारत, बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।
- बांग्लादेश और भारत मुक्त व्यापार समझौते (FTA) को अंतिम रूप देने के अंतिम चरण में थे।





अवसंरचना:

- वर्ष 2010 से अभी तक भारत , बांग्लादेश को 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की ऋण सहायता प्रदान कर चुका है।
- दोनों देश वर्ष 2015 में भूमि सीमा समझौते/लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट (LBA) तथा क्षेत्रीय जल विवाद जैसे मुद्दों को सफलतापूर्वक हल कर चुके हैं।
- दोनों देशों ने वर्ष 2023 में अखौरा-अगरतला रेल लिंक का उद्घाटन किया ।



रक्षा सहयोग:

- दोनों संयुक्त अभ्यास भी आयोजित करते हैं-
- सेना :- अभ्यास संप्रीति
- नौसेना :- अभ्यास बोंगो सागर ।

ऊर्जा:-

- बांग्लादेश भारत से लगभग 2,000 मेगावाट (मेगावाट) बिजली आयात करता है।
- बांग्लादेश के पहले परमाणु ऊर्जा रिएक्टर, रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना के कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2018 में रूस, बांग्लादेश और भारत ने एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।





प्रश्न. तीस्ता नदी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

- 1- तीस्ता नदी का उद्गम वही है जो ब्रह्मपुत्र का है लेकिन यह सिविकम से होकर बहती है।
- 2- रंगीत नदी की उत्पत्ति सिविकम में होती है और यह तीस्ता नदी की एक सहायक नदी है।
- 3- तीस्ता नदी, भारत एवं बांग्लादेश की सीमा पर बंगाल की खाड़ी में जा मिलती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- A. केवल 1 और 3
- B. केवल 2
- C. केवल 2 और 3
- D. 1, 2 और 3





रुस का चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट



प्रश्न 2: भारत के न्यूक्लियर पावर प्लांट से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट तारापुर (महाराष्ट्र) में स्थापित किया गया था।
2. भारत में सबसे बड़ा ऑपरेशनल न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम (तमिलनाडु) है।
3. भारत में न्यूक्लियर पावर प्लांट का संचालन न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा किया जाता है।

सही विकल्प चुनें:

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (A) केवल 1 और 2 | (B) केवल 2 और 3 |
| (C) केवल 1 और 3 | (D) 1, 2 और 3 |



रुस का चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट



Daily Current News

- रुस बनाएगा चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट
- रुस के इस प्रोजेक्ट में भारत और चीन सहयोगी होंगे।

न्यूक्लियर पावर प्लांट उद्देश्य :-

1. चंद्रमा में बनने वाले बेस को ऊर्जा की आपूर्ति करना।
2. चंद्रमा पर ऊर्जा के स्थायी स्रोत की स्थापना करना।

India, China, Russia to jointly build massive nuclear power plant on moon to establish a future human lunar colony



Source:- The Economic Times



अन्य लाभ :-

1. इस न्यूक्लियर पावर प्लांट के बनने से चांद पर मानव बस्तियां बनाने में सहयोग मिलेगा।
2. चंद्रमा पर होने वाले लंबे वैज्ञानिक अनुसंधान और मानव उपस्थिति के लिए ऊर्जा की आवश्यकताओं को पूरा करेगा।

इस प्रोजेक्ट को बनाने का कार्य :-

- रुस के राज्य परमाणु निगम रोसाटॉम के नेतृत्व में होगा।
- रोसाटॉम रुस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी है, इस कंपनी के संबंध भारत के साथ भी हैं।





तकनीक :-

- जिस तकनीक का प्रयोग परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए किया जाएगा वह तकनीक चंद्रमा की कठिन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर डिजाइन की जाएगी।
- इस रिक्टर का निर्माण और संचालन स्वचालित होगा, जिस कारण इसमें मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता अत्यधिक कम होगी।





परमाणु ऊर्जा संयंत्र के सामने चुनौतियां :- सुरक्षा चिंता-

1. रुस इस बात पर विशेष ध्यान दे रहा है कि इस संयंत्र का निर्माण और संचालन उच्चतम सुरक्षा मानकों के अनुरूप हो।
2. चंद्रमा के वातावरण को किसी भी प्रकार के रेडियोधर्मी उत्सर्जन से सुरक्षित रखने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा।





चन्द्रमा पर बेस:-

- इस मिशन की घोषणा रोसाटॉम द्वारा मई में की गई थी जिसके अनुसार वर्तमान में इस न्यूक्लियर पावर प्लांट पर काम चल रहा है।
- इस प्रोजेक्ट के लिए रुस और चीन ने 2021 में इंटरनेशनल लूनर रिसर्च स्टेशन (ILRS) नाम से एक संयुक्त चंद्र बेस बनाने की योजना का एलान ।
- यह बेस 2035 और 2045 के बीच चालू हो जाने की उम्मीद है।
- भारत भी 2040 तक चांद पर इंसानों को भेजने के साथ ही उनके रुकने के लिए एक बेस बनाने की योजना पर काम कर रहा है।
- इन सभी बेसों की जरूरत के लिए न्यूक्लियर पावर प्लांट से आधा मेगावाट तक बिजली पैदा होगी।





प्रश्न 2: भारत के न्यूक्लियर पावर प्लांट से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट तारापुर (महाराष्ट्र) में स्थापित किया गया था।
2. भारत में सबसे बड़ा ऑपरेशनल न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम (तमिलनाडु) है।
3. भारत में न्यूक्लियर पावर प्लांट का संचालन न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) द्वारा किया जाता है।

सही विकल्प चुनें:

- | | |
|-----------------|-----------------|
| (A) केवल 1 और 2 | (B) केवल 2 और 3 |
| (C) केवल 1 और 3 | (D) 1, 2 और 3 |



रुस का चांद पर न्यूक्लियर पावर प्लांट



Daily Current News

- भारत का पहला न्यूक्लियर पावर प्लांट 1969 में तारापुर (महाराष्ट्र) में शुरू किया गया था।
- भारत का सबसे बड़ा ऑपरेशनल न्यूक्लियर प्लांट "कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट" (तमिलनाडु) है।
- NPCIL भारत में सभी न्यूक्लियर पावर प्लांट्स का संचालन करता है।





केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (KNP)



प्रश्न : राष्ट्रीय उद्यानों के संरक्षण और कानूनी स्थिति से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राष्ट्रीय उद्यानों को भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कानूनी सुरक्षा प्राप्त है।
2. किसी क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने का अधिकार केवल राज्य सरकार को होता है।
3. राष्ट्रीय उद्यानों में किसी भी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधि निषिद्ध होती है।

सही विकल्प चुनें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3



केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (KNP)



Daily Current News

चर्चा में क्यों :-

- हाल ही में भारत का पहला 'टील कार्बन' अध्ययन केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में किया गया।

अध्ययन का महत्व:-

- यदि मानवजनित प्रदूषण को आर्द्रभूमि में नियंत्रित किया जा सके, तो इससे टील कार्बन जलवायु परिवर्तन शमन में उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

अध्ययन से प्राप्त अन्य जानकारी :-

- उच्च मीथेन उत्सर्जन को कम करने के लिए विशेष प्रकार के बायोचार (जो कि चारकोल का एक रूप है) का उपयोग किया जा सकता है।



टील कार्बन

- गैर-ज्वारीय मीठे पानी की आर्द्रभूमि में संग्रहित कार्बन।
- यह कार्बन :-
- वनस्पति, सूक्ष्मजीवी बायोमास तथा विघटित एवं कणिकीय (Particulate) कार्बनिक पदार्थ में पाया जाता है।





भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यान

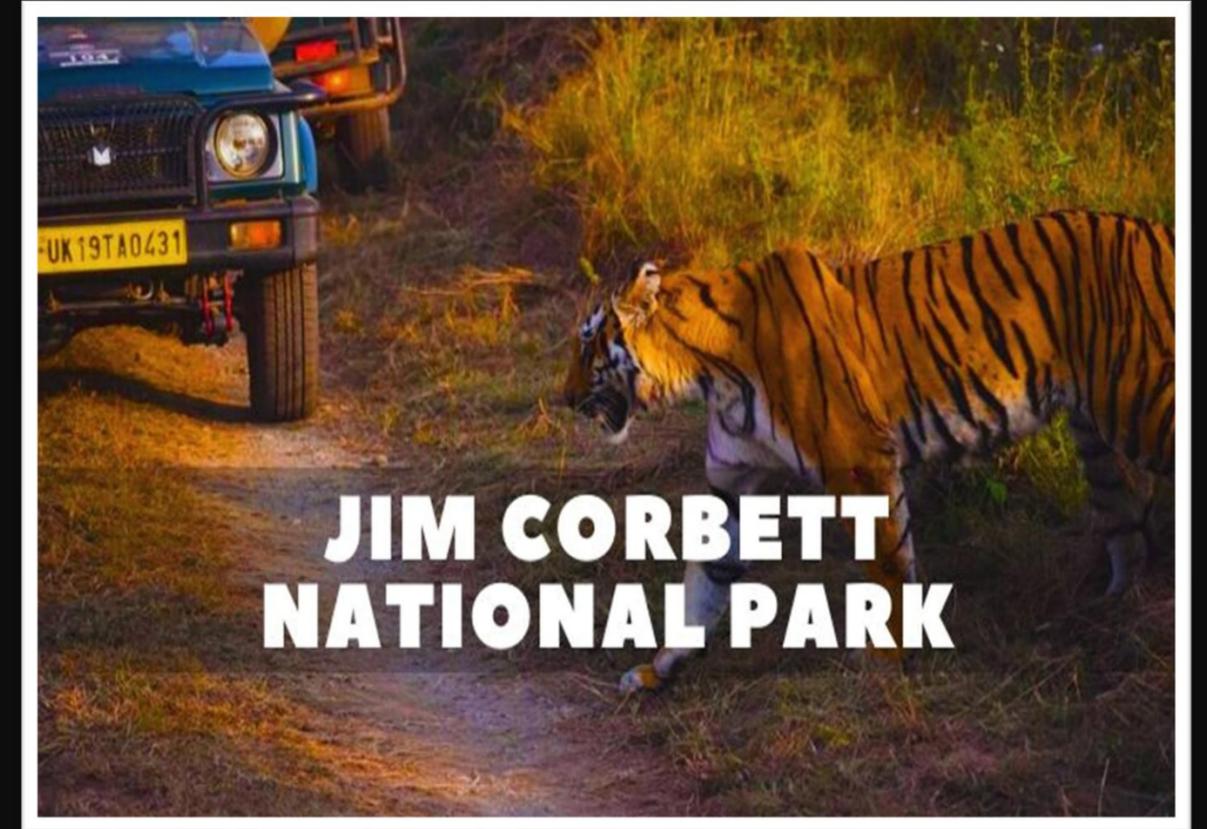
- राष्ट्रीय उद्यान (National Park) वे संरक्षित क्षेत्र होते हैं, जिन्हें वन्यजीवों, पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता के संरक्षण के लिए अधिसूचित किया जाता है।
- भारत में राष्ट्रीय उद्यानों का प्रशासन 'वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972' के तहत किया जाता है।
- भारत में कुल 106 राष्ट्रीय उद्यान हैं, जो लगभग 1.35% भौगोलिक क्षेत्र को कवर करते हैं।





1. जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान (Jim Corbett National Park)

- स्थान: उत्तराखंड
- स्थापना वर्ष: 1936 (भारत का पहला राष्ट्रीय उद्यान)
- विशेषता: बंगाल टाइगर संरक्षण के लिए प्रसिद्ध, "प्रोजेक्ट टाइगर" (1973) की शुरुआत यहीं से हुई थी।



2. काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान (Kaziranga National Park)

- स्थान: असम
- स्थापना वर्ष: 1974
- विशेषता: एक सींग वाले गैंडे (Indian One-Horned Rhinoceros) के लिए प्रसिद्ध, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।





3. सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान (Sundarbans National Park)

- स्थान: पश्चिम बंगाल
- स्थापना वर्ष: 1984
- विशेषता: रॉयल बंगाल टाइगर का घर, मैंग्रोव वनों के लिए प्रसिद्ध, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।





4. रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (Ranthambore National Park)

- स्थान: राजस्थान
- स्थापना वर्ष: 1980
- विशेषता: बाघों के लिए प्रसिद्ध, ऐतिहासिक किलों के साथ अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र।





5. गिर राष्ट्रीय उद्यान (Gir National Park)

- स्थान: गुजरात
- स्थापना वर्ष: 1975
- विशेषता: एशियाटिक शेर (Asiatic Lion) का एकमात्र प्राकृतिक आवास।





6. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (Kanha National Park)

- स्थान: मध्य प्रदेश
- स्थापना वर्ष: 1955
- विशेषता: बारहसिंगा (Swamp Deer) के लिए प्रसिद्ध, "जंगल बुक" की प्रेरणा।





7. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान (Bandhavgarh National Park)

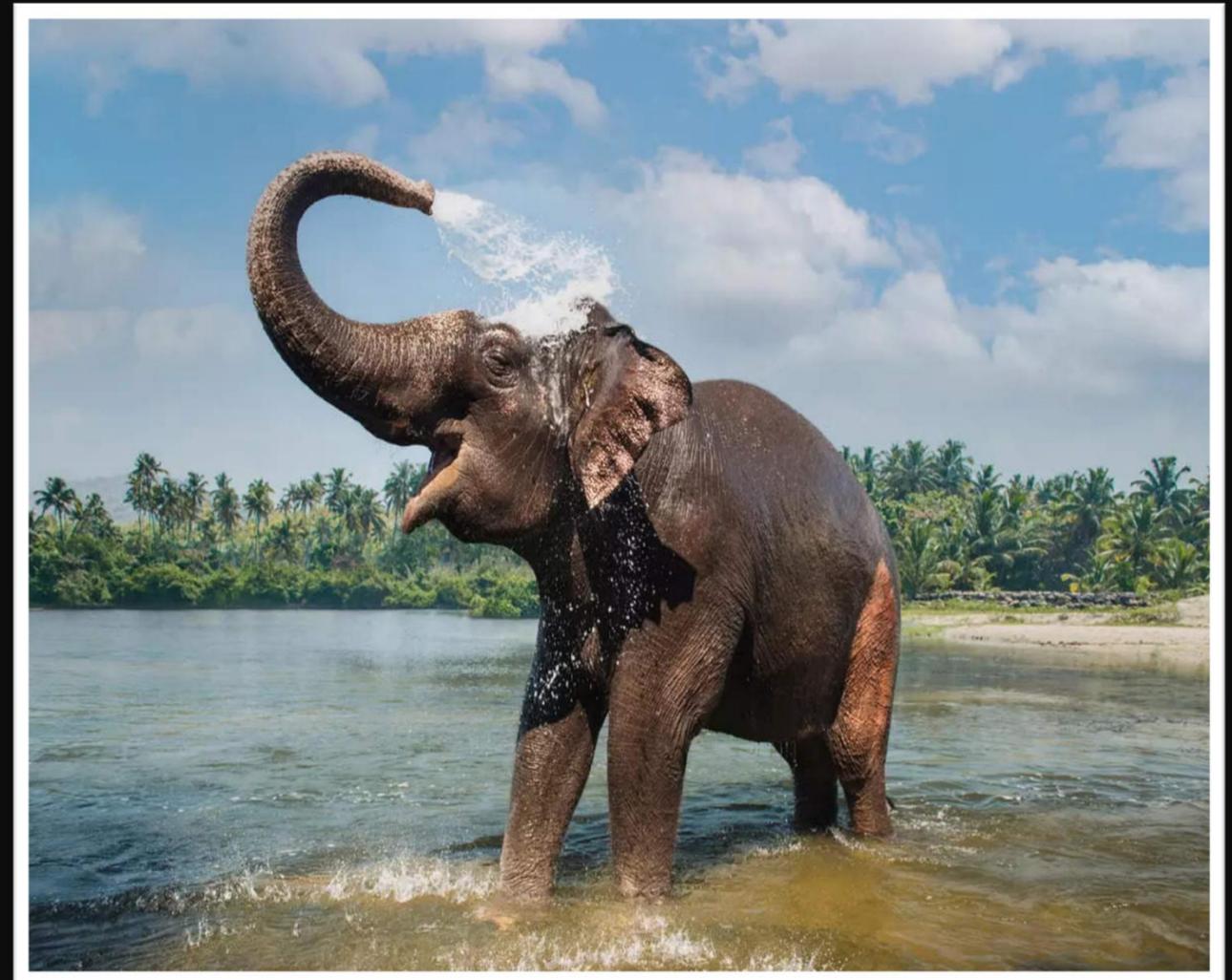
- स्थान: मध्य प्रदेश
- स्थापना वर्ष: 1968
- विशेषता: बाघों की सर्वाधिक घनत्व (Tiger Density) वाला उद्यान।





8. पेरियार राष्ट्रीय उद्यान (Periyar National Park)

- स्थान: केरल
- स्थापना वर्ष: 1982
- विशेषता: हाथियों और टाइगर रिजर्व के लिए प्रसिद्ध, झीलों एवं पहाड़ियों से घिरा हुआ।





9. नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान (Nanda Devi National Park)

- स्थान: उत्तराखंड
- स्थापना वर्ष: 1982
- विशेषता: यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, फूलों की घाटी (Valley of Flowers) से जुड़ा।





10. हिमालयी राष्ट्रीय उद्यान (Great Himalayan National Park)

- स्थान: हिमाचल प्रदेश
- स्थापना वर्ष: 1984
- विशेषता: स्नो लेपर्ड, भूरे भालू और हिमालयी वनस्पतियों के लिए प्रसिद्ध।





अन्य प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान:-

1. राष्ट्रीय उद्यान और उनके राज्य याद रखना आवश्यक है।
2. यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल वाले राष्ट्रीय उद्यान: काजीरंगा, मानस, सुंदरबन, नंदा देवी, ग्रेट हिमालयन।
3. प्रोजेक्ट टाइगर, प्रोजेक्ट एलीफेंट से जुड़े उद्यान।
4. वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित क्षेत्र।
5. इको-टुरिज्म और जैव विविधता संरक्षण में राष्ट्रीय उद्यानों की भूमिका।



भारत के महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यान



Daily Current News

निम्नलिखित तालिका अन्य प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानों, उनके स्थान और मुख्य विशेषताओं को दर्शाती है:

राष्ट्रीय उद्यान	स्थान	मुख्य विशेषता
दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान	जम्मू-कश्मीर	कश्मीरी हिरण (हंगुल) के लिए प्रसिद्ध
पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	मध्य प्रदेश	बाघ पुनर्स्थापन कार्यक्रम
मानस राष्ट्रीय उद्यान	असम	यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल
मुधुमलाई राष्ट्रीय उद्यान	तमिलनाडु	हाथी और बायोस्फीयर रिजर्व
सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान	ओडिशा	हाथियों के लिए प्रसिद्ध
भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान	ओडिशा	मगरमच्छ और मैंग्रोव वन
वेल्लूरु राष्ट्रीय उद्यान	आंध्र प्रदेश	पक्षी विहार के लिए प्रसिद्ध



प्रश्न : राष्ट्रीय उद्यानों के संरक्षण और कानूनी स्थिति से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. राष्ट्रीय उद्यानों को भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत कानूनी सुरक्षा प्राप्त है।
2. किसी क्षेत्र को राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने का अधिकार केवल राज्य सरकार को होता है।
3. राष्ट्रीय उद्यानों में किसी भी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधि निषिद्ध होती है।

सही विकल्प चुनें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 1 और 3
- (C) केवल 2 और 3
- (D) 1, 2 और 3





उत्तर: (B) केवल 1 और 3

- ✓ राष्ट्रीय उद्यानों को "वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972" के तहत कानूनी संरक्षण प्राप्त है।
- * राष्ट्रीय उद्यान घोषित करने का अधिकार केंद्र और राज्य सरकार दोनों के पास होता है।
- ✓ राष्ट्रीय उद्यानों में किसी भी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधि (खनन, वनोपयोग आदि) प्रतिबंधित होती है।



इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व



प्रश्न 2: इस्पात उत्पादन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अधिकांश भारतीय इस्पात संयंत्र कोयला-आधारित ब्लास्ट फर्नेस (Blast Furnace) तकनीक का उपयोग करते हैं।
2. झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ भारत में इस्पात उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं।
3. इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (Electric Arc Furnace) तकनीक स्क्रेप धातु (Scrap Metal) के पुनर्चक्रण के लिए प्रयोग की जाती है।

सही विकल्प चुनें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3





इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व

- इस्पात (Steel) आधुनिक औद्योगिक विकास की रीढ़ मानी जाती है। इसका उपयोग निर्माण, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचे और रक्षा क्षेत्र में व्यापक रूप से किया जाता है।
- भारत इस्पात उत्पादन में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और वैश्विक स्तर पर इसका योगदान बढ़ता जा रहा है।





विश्व में इस्पात उत्पादन

- शीर्ष इस्पात उत्पादक देश (2023 के आँकड़े के अनुसार) चीन दुनिया का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक और उपभोक्ता है, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग 55% योगदान देता है।
- भारत इस्पात उत्पादन में दूसरे स्थान पर है और लगातार अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा रहा है।
- यूरोप और अमेरिका में उत्पादन तुलनात्मक रूप से स्थिर रहा है, जबकि एशिया में मांग तेजी से बढ़ रही है।



इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व



Daily Current News

भारत में इस्पात उत्पादन

- भारत में इस्पात उद्योग की स्थिति-
- भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है।
- राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017 के अनुसार, 2030 तक 300 मिलियन टन (MT) उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- प्रमुख उत्पादक राज्य: झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र।





प्रमुख इस्पात कंपनियाँ

प्रमुख इस्पात संयंत्र

1. भिलाई इस्पात संयंत्र (छत्तीसगढ़) – SAIL द्वारा संचालित।
2. राउरकेला इस्पात संयंत्र (ओडिशा) – भारत का पहला एकीकृत इस्पात संयंत्र।
3. बोकारो इस्पात संयंत्र (झारखंड) – SAIL के अंतर्गत।
4. दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (पश्चिम बंगाल) – रेलवे ट्रैक उत्पादन में प्रमुख।
5. जमशेदपुर इस्पात संयंत्र (झारखंड) – टाटा स्टील द्वारा संचालित।





इस्पात उत्पादन से जुड़े प्रमुख कारक

1. कच्चा माल लौह अयस्क (Iron Ore):

- भारत लौह अयस्क उत्पादन में अग्रणी देशों में है।
- प्रमुख खदानें ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक में स्थित हैं।
- कोकिंग कोल: भारत में सीमित मात्रा में उपलब्ध है, इसलिए इसे ऑस्ट्रेलिया और इंडोनेशिया से आयात किया जाता है।
- चूना पत्थर (Limestone): झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध।





2. ऊर्जा और जल आपूर्ति

- इस्पात उद्योग में उच्च ऊर्जा की आवश्यकता होती है। थर्मल पावर और हाइड्रो पावर संयंत्रों से ऊर्जा की आपूर्ति की जाती है।

3. तकनीकी प्रगति

- इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (EAF) और बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (BOF) तकनीकों का उपयोग किया जाता है।
- आधुनिक इस्पात संयंत्र ग्रीन स्टील और हाइड्रोजन आधारित स्टील उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं।





4. लॉजिस्टिक्स और परिवहन

- बंदरगाहों और रेलवे के माध्यम से कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन किया जाता है।
- प्रमुख इस्पात संयंत्र बंदरगाहों के पास स्थित हैं।

भारत में इस्पात उद्योग की चुनौतियाँ

1. कोकिंग कोल की कमी: भारत को भारी मात्रा में कोकिंग कोल आयात करना पड़ता है।
2. उच्च उत्पादन लागत: ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतें अधिक होने के कारण उत्पादन महंगा पड़ता है।





3. पर्यावरणीय प्रभाव: इस्पात उत्पादन से कार्बन उत्सर्जन और जल प्रदूषण की समस्या होती है।
4. अधोसंरचना की कमी: ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स में सुधार की आवश्यकता है।
5. वैश्विक प्रतिस्पर्धा: चीन और अन्य देशों से सस्ते इस्पात का आयात भारतीय बाजार पर प्रभाव डालता है।





सरकार द्वारा इस्पात उद्योग को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदम

1. राष्ट्रीय इस्पात नीति 2017:

- 2030 तक इस्पात उत्पादन क्षमता 300 मिलियन टन तक पहुंचाने का लक्ष्य।
- ग्रीन स्टील उत्पादन पर ध्यान।

2. मेक इन इंडिया पहल:

- घरेलू इस्पात उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा।

3. सिंधु इस्पात मिशन:

- विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) और स्टील क्लस्टर विकसित करना।





4. आयात शुल्क में वृद्धि:
सस्ते इस्पात के आयात को नियंत्रित करने के लिए कदम।
5. PSEUDO (Public Sector Steel Development Organization) द्वारा सरकारी इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण की योजना।



इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व



Daily Current News

निम्नलिखित तालिका प्रमुख इस्पात कंपनियों, उनके मुख्यालय और उत्पादन क्षमता (MT) को दर्शाती है:

कंपनी का नाम	मुख्यालय	उत्पादन क्षमता (MT)
टाटा स्टील	मुंबई	35+
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL)	नई दिल्ली	20+
जेएसडब्ल्यू स्टील	मुंबई	27+
जेएसपीएल (Jindal Steel & Power)	नई दिल्ली	15+
आर्सेलमिittal निप्पोन स्टील इंडिया	मुंबई	9+



इस्पात उत्पादन: भारत और विश्व



Daily Current News

निम्नलिखित तालिका 2023 के आँकड़ों के अनुसार विश्व में शीर्ष इस्पात उत्पादक देशों को दर्शाती है:

रैंक	देश	उत्पादन (मिलियन टन में)
1	चीन	~1018 MT
2	भारत	~140 MT
3	जापान	~88 MT
4	अमेरिका	~80 MT
5	रूस	~72 MT
6	दक्षिण कोरिया	~65 MT
7	जर्मनी	~40 MT
8	तुर्की	~35 MT
9	ब्राजील	~34 MT
10	ईरान	~30 MT





प्रश्न 2: इस्पात उत्पादन से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. अधिकांश भारतीय इस्पात संयंत्र कोयला-आधारित ब्लास्ट फर्नेस (Blast Furnace) तकनीक का उपयोग करते हैं।
2. झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ भारत में इस्पात उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं।
3. इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (Electric Arc Furnace) तकनीक स्क्रेप धातु (Scrap Metal) के पुनर्चक्रण के लिए प्रयोग की जाती है।

सही विकल्प चुनें:

- (A) केवल 1 और 2
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3





उत्तर: (D) 1, 2 और 3

- ✓ भारत में अधिकांश इस्पात संयंत्र ब्लास्ट फर्नेस तकनीक का उपयोग करते हैं, जिसमें कोकिंग कोल का प्रयोग होता है।
- ✓ झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ में लौह अयस्क की प्रचुरता के कारण ये राज्य इस्पात उत्पादन के केंद्र हैं।
- ✓ इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस तकनीक स्क्रेप धातु के पुनर्चक्रण के लिए प्रयोग की जाती है।





Thank
you

